Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In January 2016

गुजवि का फेसबुक पेंज लांच : विवि से जुड़े सभी तरह के कार्यक्रमों की भी मिलेगी जानकारी, समय-समय पर होगी अपडेट

गुरु जम्भेश्वर व गीता की शिक्षाएं फेसबुक पर

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय की जानकारी अब सोशल मीडिया के माध्यम से भी विद्यार्थियों को मिलेगी। विश्वविद्यालय ने फेसबुक पर गुरु जम्भेश्वर यूनिवर्सिटी साइंस एंड टेक्नोलॉजी के नाम से अधिकारिक पेज लांच किया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बुधवार को विश्वविद्यालय के कमेटी रूम-1 में इस पेज का उद्घाटन किया। पेज का संचालन डायरेक्टर पब्लिक आउटरीच प्रो. विक्रम कौशिक करेंगे। इस दौरान विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. एमएस तुरान भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि सोशल मीडिया वर्तमान समय में अभिव्यक्ति तथा सूचनाओं का सबसे सशक्त माध्यम है। उन्होंने फेसबुक पेज बनाने के लिए प्रो. विक्रम कौशिक और उनकी टीम को बधाई दी। इस संबंध में पेज के संयोजक प्रो. विक्रम कौशिक ने बताया कि इस पेज से जुड़ने का लिंक RL : www.facebook.com/gjustofficial है। इस पेज पर परीक्षा, दाखिले, रोजगार, शोध तथा अन्य संबंधित जानकारियों से जुड़ी सूचनाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। इस अभियान से जुड़े विद्यार्थी अखिलेश व आदर्श कुमार भी उपस्थित थे।

फेसबुक पेज लांच करते कुलपति, कुलसचिव व प्रो. विक्रम कौशिक। जागरण

पेज की यह है खासियत

पेज के माध्यम से नियमित रूप से विवि से संबंधित सूचनाएं अपडेट की जाएंगी। इससे लोगों को विवि की वेबसाइट को नहीं खोलने की स्थिति में भी सूचनाएं प्राप्त कर सकेंगे। गौरतलब है कि कई बार लोग विवि की साइट नहीं खोलते लेकिन सोशल साइट पर उनकी उपस्थिति होती है।

गुजवि आज वाहन फ्री, कुलपति बोले-पैदल आऊंगा

हिसार : वाहनों के शोर-शराबे से बृहस्पतिवार को गुजवि दूर रहेगी। कारण है प्रशासन की तरफ से सात जनवरी को वाहन फ्री डे रखा गया है। इस दिन प्रोफेसर, विद्यार्थी व बाहर से आने वाले लोगों की गाड़ियां, दुपहिया वाहन सभी गेट पर खड़े करवाए जाएंगे। कुलपति कार्यालय से सुबह नौ बजे यह अभियान शुरू होगा। ग्रीन इंडिया हेल्दी इंडिया के तहत विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना व खेल विभाग के सौजन्य से यह अभियान चलेगा। प्रोफेसर व विद्यार्थी सभी पैदल ही अपने कार्यालय तक आएंगे। इस अभियान का मुख्य मकसद विश्वविद्यालय परिसर को हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त बनाना है। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि वह घर से पैदल अपने कार्यालय तक आएंगे।

पेज के माध्यम से गुरु जम्भेश्वर महाराजा के संदेशों को नियमित अपडेट किया जाएगा। पेज की शुरूआत भी ऐसे ही संदेश के माध्यम से की गई है।
-प्रो. टंकेश्वर, वीसी, गुजवि

वर्तमान दौर सोशल मीडिया का है। इस पेज के माध्यम से विवि से जुड़े विद्यार्थियों, कर्मियों के अलावा वैसे लोगों को भी जानकारी मिल पाएगी जो इससे जुड़े होंगे। साथ ही गुरु जम्भेश्वर महाराज व गीता श्लोकों का भावार्थ भी जान सकेंगे।
-प्रो. विक्रम कौशिक, डायरेक्टर पब्लिक आउटरीच।

दैनिक जागरण 7/1/16

जीजेयू ने चलाया ग्रीन इंडिया हेल्दी इंडिया अ

प्रत्येक माह के पहले वीरवार को कैंपस में नहीं चलेंगे वाहन, स्वयं सेवकों ने नि

गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार में वीरवार को जागरूकता रैली निकालता स्टॉफ।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार। गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में वीरवार को ग्रीन इंडिया हेल्दी इंडिया अभियान चलाया गया। इस दौरान विश्वविद्यालय परिसर में वाहन नहीं चले। विवि की राष्ट्रीय सेवा योजना व खेल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस आयोजन के दौरान स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली निकाली। उद्घाटन विवि के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने किया। इस अवसर पर विवि के कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान सहित विवि के छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. कुलदीप बंसल, राष्ट्रीय सेवा योजना की को-ऑर्डिनेटर प्रो. सुजाता सांघी व खेल निदेशक डॉ. शशि भूषण लुथरा उपस्थित थे। प्रो. एम.एस. तुरान ने कहा कि विश्वविद्यालय के इस कदम से विवि के साथ-साथ समाज में भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति एक अच्छा संदेश जाएगा। इस आयोजन से न केवल पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी बल्कि अनुशासन तथा भाईचारे की भावना भी बढ़ेगी।

जीजेयू में जो व्हीकल कैंपस अभियान के तहत कुछ इस तरह से पैदल चले लोग।

प्रत्येक माह का पहला वीरवार वाहन फ्री दिवस

प्रो. टंकेश्वर कुमार ने घोषणा की कि विवि में प्रत्येक माह का पहला वीरवार इसी प्रकार वाहन फ्री दिवस के रूप में मनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण अब किसी इलाके, प्रांत या देश की समस्या नहीं रही है, बल्कि यह समूचे विश्व की समस्या बन गई है। पर्यावरण संरक्षण के लिए अब हर व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा। पर्यावरण संरक्षण को लेकर विश्वविद्यालय द्वारा नई योजनाएं बनाई जाएंगी व इन योजनाओं को लागू किया जाएगा। वर्तमान योजनाओं की भी समय-समय पर समीक्षा की जाएगी।

पैदल पहुंचे कार्यालय

वीरवार सुबह कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान अपने कार्यालयों में पैदल आए। जागरूकता रैली के दौरान भी विद्यार्थियों व स्वयंसेवकों का हौसला बढ़ाने के लिए कुलपति व कुल सचिव रैली में साथ रहे। विवि परिसर में पूरा दिन विशेष कारण के बिना कोई भी वाहन नहीं चला।

वाहन नहीं चलाने की प्रार्थना

विवि के सुरक्षाकर्मियों के साथ-साथ स्वयंसेवकों ने भी विवि में आगंतुकों तथा विवि परिसर में रहने वाले निवासियों, शिक्षकों, कर्मचारियों व विद्यार्थियों से वाहन न चलाने की प्रार्थना की। कई कर्मचारियों, शिक्षकों व अधिकारियों ने एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाने के लिए साइकिल का प्रयोग किया।

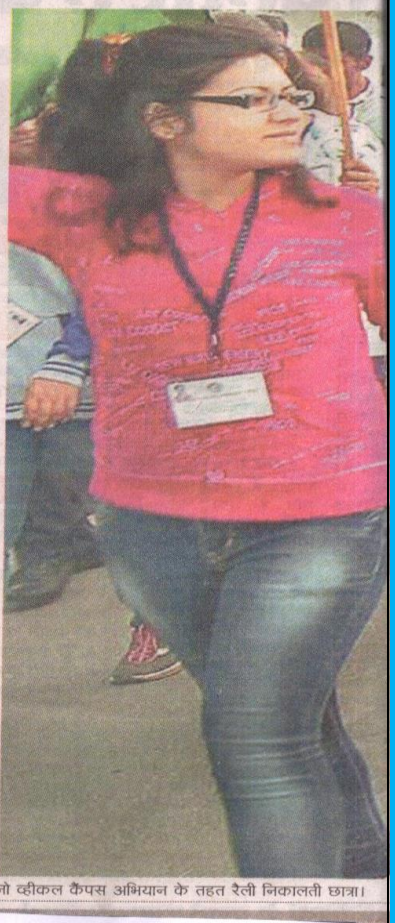

वो व्हीकल कैंपस अभियान के तहत रैली निकालती छात्रा।

अमर उजाला 08/01/16

वाहन फ्री डे: पर्यावरण बचाने के लिए सब चले पैदल

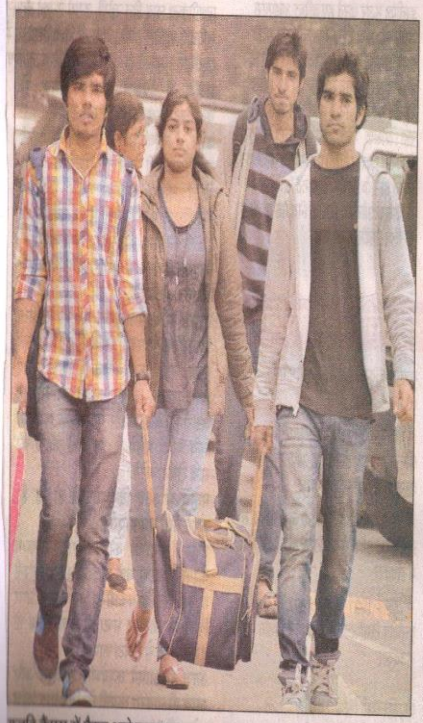

गुजवि कैंपस में पैदल आते छात्र। जागरण

जागरण संवाददाता, हिसार : दिन : वीरवार, समय : सुबह के नौ बजे। गुजवि में कुलपति, रजिस्ट्रार सभी पैदल ही कार्यालय की तरफ जा रहे थे। मौका था वाहन फ्री डे का। इसके चलते गुजवि में वाहन लाने वालों को गेट के साथ की पार्किंग में ही वाहन खड़े करने को कहा गया। इस दौरान सभी को बताया गया कि गुजवि में पर्यावरण प्रदूषण रोकने के उद्देश्य से वाहन फ्री डे मनाया जा रहा है।

इसको लेकर गुजवि परिसर में जागरूकता रैली भी निकाली गई। गुजवि में ग्रीन इंडिया हैल्दी इंडिया अभियान चलाया गया। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना व खेल विभाग के संयुक्त तत्वाधान में हुए इस आयोजन के दौरान स्वयंसेवकों ने पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता रैली निकाली।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण किसी खास इलाके, प्रांत या देश की समस्या नहीं रही है, बल्कि यह समूचे विश्व की समस्या बन गई है। पर्यावरण संरक्षण के लिए अब हर व्यक्ति को अपना योगदान देना होगा। शिक्षण संस्थाओं की इस दिशा में और अधिक जिम्मेदारी बनती है। उन्होंने कहा कि गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय पर्यावरण संरक्षण के प्रति काफी गंभीर है। इसको लेकर हर माह के पहले वीरवार को वाहन फ्री डे मनाने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. कुलदीप बंसल, राष्ट्रीय सेवा योजना की कोऑर्डिनेटर प्रो. सुजाता सांधी व खेल निदेशक डा. शशी भूषण लुथरा उपस्थित थे।

- गुजवि में सड़क पर लगी वाहनों की लाइन
- हर माह के पहले वीरवार को मनाया जाएगा वाहन फ्री डे

मुख्य गेट पर ही रोके वाहन

वाहन फ्री डे के चलते गुजवि के मुख्य गेट पर ही वाहनों को रुकवा लिया गया। वहां पार्किंग फुल होने के बाद प्रोफेसर, विद्यार्थियों व बाहर से आने वाले लोगों ने अपनी कार सड़क पर पार्क की।

लोगों को किया जागरूक

गेट से ही वाहन अंदर न जाएं इसको लेकर सुरक्षा कर्मचारियों और एनएसएस के कैडेट्स ने मोर्चा संभाला हुआ था। सभी ने वाहन लेकर आने वाले लोगों को वाहन फ्री डे के बारे में बताते हुए पार्किंग में वाहन खड़े करने का आह्वान किया।

विश्वविद्यालय के इस कदम से समाज में भी पर्यावरण संरक्षण के प्रति अच्छा संदेश जाएगा।

प्रो. एमएस तुरान

वाहन फ्री डे के दौरान पैदल कार्यालय की ओर जाते कुलपति व अन्य।

गुजवि में बच्चों ने भी साइकिल लेकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

दैनिक जागरण 09/01/16

शैवाल से बायोडीजल तैयार करेगा गुजवि

हिमाचल व मुंबई के तलाबों सहित जिले के गांवों के तालाबों की शैवाल पर हो रही रिसर्च

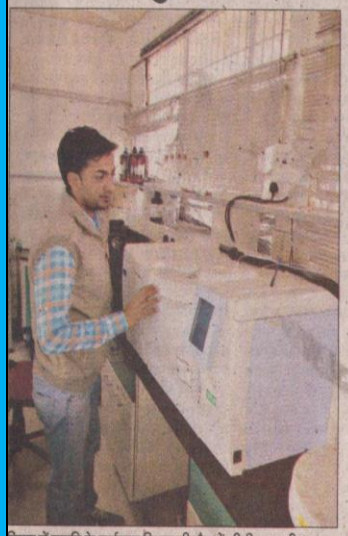

हिसार में गुजवि के पर्यावरण विभाग की लैब में जीसीएस मशीन पर शैवाल की जांच करता छात्र। जागरण

सुनील बैनीवाल, हिसार

पर्यावरण को साफ करने में शैवाल (काई) का बहुत बड़ा योगदान है। पानी में पाई जाने वाली शैवाल वायुमंडल में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड गैस ग्रहण करती है और ऑक्सीजन छोड़ती है। इससे वह वातारण को शुद्ध बनाने का काम करती है। इसके साथ ही शैवाल बायोडीजल का बेहतरीन स्त्रोत है। यह नदी, तालाबों, जोहड़, समुद्र में पाई जाती है। बायोडीजल की बढ़ रही मांग को देखते हुए आल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्नीकल एजुकेशन (एआइसीटी) ने गुजवि के पर्यावरण विभाग को प्रोजेक्ट दिया है। इस प्रोजेक्ट को मुख्य उद्देश्य शैवाल या एलगी (काई) से कम खर्च में बायोडीजल बनाना है। फिलहाल बायोडीजल कृषि उत्पादों से तैयार किया जाता है।

शोधकर्ताओं के अनुसार जमीन पर 70 प्रतिशत पानी है और इसमें शैवाल बड़ी मात्रा में पाई जाती है। गुजवि में शोध करने के लिए शैवाल हिमाचल व मुंबई के तालाबों और जिले के गांवों के जोहड़ों से लाई गई है। इसके साथ ही साफ पानी के तालाबों से भी शैवाल इकट्ठा की गई है। इस शैवाल पर्यावरण विभाग की लैबों में शोध कार्य चल रहा है। यहां पर यह जानने का प्रयास किया जा रहा है कि किस स्त्रोत से लाई गई शैवाल में बायोडीजल की मात्रा कितनी है। उससे कम खर्च में कैसे बायोडीजल तैयार किया जा सकता है।

प्रक्रिया को ऐसे समझें

स्रोत	ऑयल कंटेंट	बायोडीजल	एनर्जी कंटेंट
सोया	20 प्रतिशत	0.2 - 0.5	3 से 8 प्रतिशत
रेपसीड	40 प्रतिशत	1.2	22 प्रतिशत
पेलमोली	20 प्रतिशत	3.7	63 प्रतिशत
जटरोफा	30 से 50 प्रतिशत	2.2 से 5.3	40 से 100 प्रतिशत
माइक्रोएलगी	35 से 65 प्रतिशत	50 से 100	1500 से 2000 प्रतिशत

नोट : एक हेक्टेयर में एक मीट्रिक टन से प्राप्त ऑयल कंटेंट, बायोडीजल व एनर्जी कंटेंट के हिसाब से डाटा दिया है।

देश-प्रदेश में कैसे पनपता है बायोडीजल

देश व प्रदेश में कृषि योग्य भूमि लगातार घट रही है, जिसका असर खाद्य पदार्थों की पैदावार पर हो रहा है। वहीं बायोडीजल के लिए एक या दो प्रतिशत भूमि पर जटरोफा आदि की खेती की जाती है। बायोडीजल मौजूदा समय में जटरोफा, रेपसीड, सोया, पेलमोली आदि में पाया जाता है। वहीं काई से बायोडीजल बनने के बाद जटरोफा की खेती जरूरी नहीं होगी।

पांच साल से चल रहा शोध

शैवाल से बायोडीजल बनाने को लेकर पिछले पांच सालों से शोध किया जा रहा है। एआइसीटी को एक प्रोजेक्ट पहले सबमिट करवा दिया गया है। उसी के आधार पर गुजवि को दूसरा प्रोजेक्ट मिला है। इस प्रोजेक्ट में काई से शुद्ध बायोडीजल तैयार कर रिपोर्ट सबमिट की जाएगी। अलग अलग जगहों से लाई गई काई में कितनी बायोडीजल की मात्रा है। इसके आंकड़े इकट्ठा किए जा रहे है। इसके साथ कम खर्च पर इसे तैयार करने की कोशिश जारी है।

कोप टू में हुई थी चर्चा

पर्यावरण विभाग के प्रो. नरसी बिश्नोई ने बताया कि हाल ही में पेरिस में हुई कोप टू की बैठक में बायोडीजल पर विस्तार से चर्चा हुई थी। इस बैठक में खास तौर पर कार्बन डाइऑक्साइड के स्तर को साल 1990 के स्तर पर लेकर जाने पर चर्चा की गई।

बायोडीजल बनाने को लेकर एआइसीटी से प्रोजेक्ट मिला हुआ है। इस प्रोजेक्ट में मेरे साथ एमटेक व पीएचडी के छात्र काम कर रहे है। कई तरह के एसिड प्रयोग कर शैवाल या काई से बायोडीजल तैयार किया जा रहा है। हमारी कोशिश है कि कम से कम खर्च पर बायोडीजल तैयार किया जाए।

- प्रो. नरसी बिश्नोई, पर्यावरण विभाग, गुजवि

दैनिक जागरण 10/1/16

पीएम मोदी ने गुजवि के विद्यार्थी सुधेश को किया सम्मानित

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में पर्यावरण विभाग के छात्र व राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक सुधेश पूनिया को भारत सरकार द्वारा नेशनल यूथ अवार्ड से सम्मानित किया गया है।

राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी को रायपुर छत्तीसगढ़ में भव्य राष्ट्रीय समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में केंद्रीय खेल व युवा कार्य मंत्री सर्बानंद सोनोवाल व केंद्रीय मंत्री नितिन गड़करी ने सुधेश पूनिया को पुरस्कार के रूप में सिल्वर मेडल, प्रमाण पत्र व 40 हजार रुपये का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

गुजवि कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने मंगलवार को छात्र सुधेश पूनिया का अभिनन्दन किया तथा इस उपलब्धि पर बधाई दी। इस अवसर पर छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. कुलदीप बंसल, डॉ. प्रवीन शर्मा, डॉ. अनिल भानखड़, डॉ. सुमन दहिया, डॉ. बिजेन्द्र सैनी तथा डॉ. कश्मीरी लाल उपस्थित रहे। विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना की कोआर्डिनेटर प्रो. सुजाता सांघी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा 1985 में शुरू किए गए इस अवार्ड के लिए चयनित होने वाले सुधेश पूनिया जिले के पहले युवा हैं। यह पुरस्कार राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम योजना के अंतर्गत विकास कार्यकलापों, सामाजिक सेवा के विभिन्न क्षेत्रों, समुदाय व युवाओं हेतु उत्कृष्ट कार्य करने के लिए 1985 से हर वर्ष स्वामी विवेकानंद जयंती पर युवा दिवस के अवसर पर देशभर से चयनित 25 युवाओं को प्रदान किया जाता है ताकि युवा सम्मानित होकर दूसरों के लिए उदाहरण व उत्प्रेरक बनें।

सुधेश की उपलब्धियां

सुधेश पूनिया ने 2014 में इंडियन यूथ डेलीगेशन के सदस्य के तौर पर चीन में भारत का, नवम्बर 2015 में बांग्लादेश में आयोजित ग्लोबल यूथ इंटरप्रिन्योर सम्मिट में भारत का प्रतिनिधित्व तथा 26 जनवरी 2014 को राजपथ पर गणतंत्र दिवस परेड में हरियाणा का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। सुधेश पूनिया नवंबर 2015 में बांग्लादेश में बांग्लादेश सरकार के सांस्कृतिक मंत्री द्वारा तथा 2014 में हरियाणा के राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया द्वारा भी सम्मानित हो चुके हैं। सुधेश पूनिया ने चार साल कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के माउंटेरिंग क्लब में कार्यकारी कमेटी सदस्य के रूप में सीबी- 14 चोटी 6078 मीटर व दरवा टोप चोटी 5300 मीटर सफलतापूर्वक फतह की है। इसके अतिरिक्त वाटर स्पोर्टस एक्टिविटी, पोंग डेम व विभिन्न ट्रेकिंग प्रोग्राम में भाग ले चुके हैं।

समाजसेवा में भी आगे

सुधेश पूनिया ने समाज सेवा के तौर पर छह बार रक्तदान किया। इसके साथ जम्मू कश्मीर व उत्तराखंड बाढ़ पीड़ितों के लिए सहायता राशी एकत्रित की, पांच वृक्षारोपण कार्यक्रमों में 5000 पेड़ लगवाए, शिविर लगाकर गांव वालों को एड्स, पर्यावरण व नशे के प्रति सचेत किया।

दैनिक जागरण - 20/1/16

गुजवि में अब नहीं आएगी मोबाइल नेटवर्क की समस्या

जागरण संवाददाता, हिसार : गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के छात्रों व शिक्षकों को अब मोबाइल नेटवर्क की समस्या का सामना नहीं करना पड़ेगा। छात्र अपने हॉस्टल रूम व शिक्षक अपने कमरे में बैठकर आसानी से बातचीत कर पाएंगे। इसके लिए विश्वविद्यालय अब नया मोबाइल टावर लगाने जा रहा है।

गुजवि के कुलपति डॉ. टंकेश्वर कुमार बुधवार को मोबाइल टावर का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद मोबाइल टावर लगाने का काम शुरू हो जाएगा।

इसके लिए गुजवि प्रशासन की ओर से इंडस कंपनी से संपर्क किया गया है। यही कंपनी वोडाफोन, एयरटेल व आइडिया के नेटवर्क प्रदान करेगी। बता दें कि गुजवि प्रशासन की ओर से मोबाइल कंपनी के साथ हाल ही में अनुबंध किया गया है।

- विश्वविद्यालय में लगाया जाएगा नया मोबाइल टावर
- वीसी आज करेंगे टावर के काम का शिलान्यास

सालों पहले लगा था बीएसएनएल का टावर: गुजवि में करीब 20 साल पहले बीएसएनएल ने मोबाइल टावर लगाया था। उस समय बीएसएनएल नेटवर्क का प्रयोग सबसे ज्यादा किया जाता था। परंतु समय के साथ अन्य प्राइवेट कंपनियां भी आ गई। इसके चलते गुजवि के छात्रों व शिक्षकों के पास अन्य कंपनियों के अधिक हो गए है। मगर नेटवर्क नहीं होने के कारण छात्रों व शिक्षकों को समस्या पेश आती थी।

दैनिक जागरण - 20/1/16

गुजवि में तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित

कुलपति ने हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया

रिवन काट कर तीरंदाजी प्रशिक्षण केन्द्र का उद्घाटन करते कुलपति प्रो. टंकेश्वर

हिसार, 20 जनवरी (सिया) : गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के विद्यार्थी अब तीरंदाजी में भी जौहर दिखाएंगे। विश्वविद्यालय में तीरंदाजी प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किया गया है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बुधवार को प्रशिक्षण केंद्र का उद्घाटन किया। कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान भी इस अवसर पर उपस्थित थे। कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि तीरंदाजी एक शानदार खेल है। विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों के लिए यह खेल बेहद लाभदायक होगा। उन्होंने प्रशिक्षण केंद्र को हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान ने कहा कि विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित होने से न केवल विश्वविद्यालय में बल्कि पूरे इलाके में तीरंदाजी के प्रति रूचि बढ़ेगी। विश्वविद्यालय की तीरंदाजी टीम अखिल भारतीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भाग लेगी। यह प्रतियोगिता 22 जनवरी से 26 जनवरी तक पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला में होगी। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी एंव विद्यार्थी उपस्थित थे।

गुजवि में तीन मोबाइल टावर स्थापित होंगे

हिसार : गुजवि में तीन मोबाइल टावर स्थापित किए जाएंगे। टावर स्थापना के लिए प्रक्रिया शुरु कर दी गई है। यह जानकारी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने बुधवार को निर्माण कार्य का उद्घाटन कर कही । कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान भी इस अवसर पर उपस्थित थे। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने इस अवसर पर कहा कि टावर लगने से विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों, कर्मचारियों व परिसर में रहने वाले परिवारों को फायदा होगा। टावर की स्थापना के बाद बेहतर नेटवर्क सुविधा मिलने लगेगी। इस अवसर पर इंडस इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी के सर्किल सीईओ राजेश वी. के अतिरिक्त विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

दैनिक सवेरा - टाइम्स - 21/1/16

जीजेयू के दीपक ने पाया टैकफैस्ट कोमेट-2016 में दूसरा स्थान

हिसार, 29 जनवरी (निस) : गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय हिसार के बायोमेडिकल विभाग के विद्यार्थी दीपक कुमार ने आईआईटी-बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित टैकफैस्ट कोमेट-2016 में देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त किया है। साथ ही इसी फैस्ट में बेहतरीन समन्वयन के लिंए विश्वविद्यालय के कंप्यूटर साईंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के विद्यार्थी कार्तिक गोयल को बैस्ट कैम्पस एम्बेसडर में देशभर में तीसरा स्थान प्राप्त हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव प्रो. एम.एस. तुरान ने विद्यार्थियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है तथा उनक उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। प्रतिभागी विद्यार्थियों के साथ मुलाकात करते हुए प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं में भाग लेने से विद्यार्थियों में बौद्धिक क्षमता के साथ-साथ तकनीकी कौशल का विकास होता है। जनवरी माह में वाराणसी में आयोजित दूसरे व तीसरे चरण में देशभर के 15 प्रतिष्ठित तकनीकी शिक्षण संस्थानों से 65 विद्यार्थियों ने भाग लिया जिसमें से गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय का छात्र दीपक कुमार दूसरे स्थान पर रहा। पद्मभूषण श्री कोटा हरिनारायण ने विजेता छात्र दीपक कुमार को चार हजार के नकद पुरस्कार के साथ प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विश्वविद्यालय के शिक्षकों रवीका गोयल व आयुष शर्मा के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों अभिनव, मानव, दीपक कुमार, कशिश, कार्तिक, राघव, कुलदीप, संजीव व रक्षित ने इस फैस्ट में भाग लिया।

पाठक पक्ष 29/1/16